हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, सोमवार, 29 अप्रैल 2024

11 अनाज मंडी में लिया खरीद का जायजा

12 बीआरजी के 250 धावकों ने स्वीकारा 100 दिन का रनिंग चैलेंज

खबर संक्षेप

हत्या के मामले में वांधित अरोपी गिरफ्तार

बहादुरगढ़। सीआईए-टू बहादुरगढ़ की टीम ने करीब 15 साल पहले हुई एक हत्या के मामले में वांछित एवं उद्घोषित आरोपी को गिरफ्तार किया है। सहायक पुलिस आयुक्त शुभम सिंह ने बताया कि नवंबर 2009 में जसौर खेड़ी में रोहद गांव की तरफ जाने रास्ते में आने वाली मेवात कैनाल नहर में एक डेड बॉडी मिली थी। जिसकी पहचान 29 नवंबर 2009 को संदीप निवासी सुल्तानपुर के रूप में हुई थी। मृतक के भाई दिलीप तिवारी ने हत्या का आरोप अपने जीजा लक्ष्मण प्रसाद और उसके भाई प्रवेश पर लगाया था। पुलिस ने लक्ष्मण को गिरफ्तार कर लिया गया था। जबकि फरार चल रहे प्रवेश को अदालत द्वारा 16 जुलाई 2010 को पीओ घोषित किया गया था। अब सीआईए टू बहादुरगढ़ प्रभारी विवेक मलिक की टीम ने प्रवेश निवासी फैजाबाद यूपी को गिरफ्तार कर लिया।

मर्डर केस में तीन आरोपी गिरफ्तार

बहादुरगढ़। पुलिस ने हत्या के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।
बीते दिनों करण की मौत हो गई थी। पुलिस ने मृतक के भाई आयुष निवासी कबीर बस्ती की शिकायत पर रितिक व उसके दोस्तों के विरुद्ध केस दर्ज किया था। पुलिस ने आरोपियों की पहचान करते हुए संतोष, मोनू व अनिल निवासी दुर्गा कॉलोनी को गिरफ्तार किया है। उन्हें अदालत बहादुरगढ़ में पेश करके 2 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों से वारदात में प्रयोग की गई मोटरसाइकिल और दो डंडे बरामद किए गए हैं।

बेरी अनाज मंडी में लगी आग करीब तीन सौ बोरियां झुलसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

रविवार दोपहर बाद बेरी अनाज मंडी में अज्ञात कारणों के चलते एक दुकान के बाहर रखी गेहूं की बोरियों में आग लग गई। जिसके कारण करीब तीन सौ बोरियां झुलस गई।

- करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू

बाद में आग लगने की सूचना फायर बिग्रेड को दी गई। सूचना मिलने पर फायर बिग्रेड की गाड़ी मौके पर पहुंची और करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। जिसके कारण पीड़ित आढ़ती का काफी नुकसान हो हुआ है।

बोरियों में रखा गेहूं भीगाः आग लगने की सूचना के बाद फायर बिग्रेड की टीम द्वारा आग पर तो काबू पा लिया। लेकिन बोरियों में रखा गेहूं पूर्णतया भीग गया। जिसके कारण पीड़ित आढ़ती का काफी नुकसान हुआ है। आढ़ती को बारदाने की व्यवस्था करने के अलावा भीगे हुए गेहूं को सुखाने के लिए भी काफी मेहनत करनी पड़ेगी।

झज्जर। आग लगने के कारण झुलसी गेहूं से भरी बोरियां। फोटो : हरिभूमि

उठान कार्य में आई तेजी

जिले में अब तक एक लाख 38 हजार 891 मीट्रिक टन गेहूं और 50 हजार 662.09 मीट्रिक टन सरसों की खरीद की जा चुकी है। डीसी कैप्टन शक्ति सिंह ने बताया कि मंडियों से अभी तक 59 हजार सात मीट्रिक टन गेहूं का उठान हो चुका है जबकि खरीद की गई 40 हजार 355.08 मीट्रिक टन सरसों उपज का उठान हो चुका है।

ग्वालिसन मार्ग पर खेतों में लगी आग

झज्जर : रविवार सांय शहर के ग्वालिसन मार्ग स्थित अमर सिंह कालोनी के साथ लगते खेतों में खडे झांड-झंखड़ में अचानक आग लग गई। एकाएक आग की लपटें तेज हो गई और दूर-दराज तक आग की लपटें दिखाई देने लगी। देखते ही देखते काफी संख्या में लोग मौके पर एकत्रित हो गए। आनन-फानन में कालोनी निवासियों ने सूचना फायर बिग्रेड और पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। गणीमत यह रही कि जान-माल का नुकसान नहीं हुआ। अशोक, सतेंद्र, महेश आदि ने बताया कि खेतों में लगी आग यदि घरों तक पहुंच जाती तो बड़ा नुकसान हो सकता था। फायर ब्रिगेड ने समय रहते काबू पा लिया जिसके कारण आग घरों तक नहीं पहुंची। जिसके कारण सभी कालोनी निवासियों ने राहत की सांस ली है।

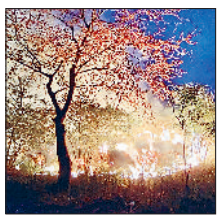

हाईवा से कुचलकर स्कूटी सवार महिला की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शहर के लाइनपार इलाके में एक तेज रफ्तार हाईवा की चपेट में आने से स्कूटी सवार महिला की मौत हो गई। पुलिस ने मृतका के पति की शिकायत के आधार पर आरोपी चालक के विरुद्ध केस दर्ज किया है।

जानकारी के अनुसार रविवार को मलिकपुर दिल्ली निवासी प्रवीन और उसकी पत्नी शिक्षा स्कूटी पर सवार होकर बहादुरगढ़ के रास्ते अपनी बहन की ससुराल सैदपुर जा रहे थे। नाहरा-नाहरी रोड ऑक्सफोर्ड स्कूल के निकट एक तेज रफ्तार हाईवा ने ओवरटेक करते समय टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही स्कूटी का संतुलन बिगड़ गया। प्रवीन स्कूटी के साथ सड़क किनारे गिर गया। जबकि शिक्षा सड़क पर हाईवा की तरफ गिर गई। ट्रक के टॉयर के नीचे आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। राहगीरों ने ट्रक को रुकवाया। जिसे सोनू निवासी फिरोजाबाद चला रहा था। लाइनपार थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल भिजवा दिया और आरोपी हाईवा चालक के विरुद्ध आईपीसी की धारा 279 व 304अ के तहत अभियोग दर्ज किया है।

सट्टा खाईवाली करते 4 गिरफ्तार

बहादुरगढ़। पुलिस ने चार आरोपियों को सरेआम सट्टा खाईवाली करते हुए काबू किया है। हिमांशु निवासी बराही रोड को सार्वजनिक स्थान पर सट्टा खाईवाली करते हुए 1220 रुपए के साथ काबू किया। विक्की निवासी आसौदा को सार्वजनिक स्थान पर सट्टा खाई वाली करते हुए 4510 रुपए के साथ काबू किया। दीपक निवासी लाइनपार सरेआम सट्टा खाईवाली करते 1740 रुपए नगदी के साथ पकड़ा। एक अन्य आरोपी से 1530 रुपये नगदी बरामद हुई है।

गर्मी शुरू होने से पहले जलघर की सफाई शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शहर के एचएसआईआईडीसी के सेक्टर-17 में स्थित जलघर की रविवार को सफाई शुरू हो गई। कर्मचारियों ने घास-फूस को उखाड़ने का कार्य शुरू किया। बीसीसीसीआई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेंद्र छिकारा ने बताया कि स्वच्छ पेयजल सुनिश्चित करने के लिए जलघर की सफाई की मांग की जा रही थी। इसका संज्ञान लेते हुए विभाग ने जलघर की सफाई शुरू करवा दी है। कर्मचारियों ने जलघर में उगी जलखुंभी को उखाड़ने का कार्य शुरू कर दिया। छिकारा ने कहा कि गंदगी साफ हो जाएगी और लोगों को पीने के पानी की स्वच्छ सप्लाई मिलेगी।

बहादुरगढ़। सेक्टर-17 के जलघर में जेसीबी की मदद से सफाई करते कर्मचारी।

मृतका के पति की शिकायत पर केस दर्ज

बहादुरगढ़। वीरवार की रात को बादली थाना क्षेत्र में हुए एक हादसे में महिला की मौत के मामले में पुलिस ने पति की शिकायत के आधार पर केस दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में दिल्ली के नारायणा निवासी रवि ने बताया कि थीव्हीलर चलाता है। उसकी पत्नी खुशबू वीरवार को अपनी किसी सहेली के साथ स्कूटी पर सवार होकर किसी काम के लिए गई थी। वह 2 दिन घर नहीं लौटी और वे तलाश में जुटे थे। इस दौरान पता चला कि स्कूटी सवार खुशबू और उसकी सहेली को 25 अप्रैल को रात 11 बजे दुल्हेड़ा-बुपनिया रोड पर एक बाइक ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में खुशबू की मौत हो गई। जबकि उसकी सहेली घायल होने के कारण अस्पताल में भर्ती है।

रॉयल ग्रीन काउंटी का दूसरा फेज द सलैक्ट हुआ लॉन्च

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

रॉयल ग्रीन रियल्टी ने बहादुरगढ़ में अपनी प्रतिष्ठित परियोजना रॉयल ग्रीन काउंटी के दूसरे चरण रॉयल ग्रीन काउंटी द सलैक्ट का शुभारंभ किया। यह परियोजना सेक्टर-40 में स्थित है, जो 40 एकड़ के हरित वातावरण के बीच फैली है। इस परियोजना में विला और प्लॉटस के साथ एससीओ भी शामिल हैं। कुल 150 करोड़ रुपए के निवेश के साथ यह प्रीमियम आवासीय टाउनशिप बहादुरगढ़ में लग्जरी जीवन के लिए एक नया मानक स्थापित कर रही है।

- सेक्टर-40 में बन रही रॉयल ग्रीन काउंटी में हुए भव्य कार्यक्रम के दौरान गायक-परफॉर्मर सूर्यवीर के गानों पर थिरके लोग

बहादुरगढ़। लॉन्चिंग पर दीप प्रज्ज्वलित करते दलबीर मान, यशांक वासन और वरुण मखीजा।

रॉयल ग्रीन काउंटी द सलैक्ट की लॉन्चिंग रंगारंग संगीतमय प्रस्तुतियों के बीच हुई। गायक और परफॉर्मर सूर्यवीर हूजा ने अपनी शाम और समारोह को रंगीन व शानदार बना दिया। समारोह में मौजूद लोग गीतों पर जमकर थिरके और मौके पर ही बुकिंग भी करवाई। इस दौरान रॉयल ग्रीन रियलटी के प्रमोट्र्स दलबीर मान, सिकंदर मान, पारस मान, विराट मान, डायरेक्टर वरुण मखीजा और बिजिनेस डेवलपमेंट हैड अनुपम वार्ष्णेय भी मौजूद रहे। दूसरे फेज के लॉन्च पर रॉयल ग्रीन रियल्टी के प्रबंध निदेशक यशांक वासन ने कहा कि नागरिकों को यहां आवास प्रदान करने के साथ ही हर सुविधा प्रदान करना उनका लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि रॉयल काउंटी में थ्री लेयर सुरक्षा व्यवस्था, पावर बैकअप, स्मार्ट लाइट, स्मार्ट कूड़ेदान, रंगीन सड़कें, संवेदी आधुनिक पार्क और आरएफआईडी युक्त गेट लगाए गए हैं। दिल्ली के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से महज 35 मिनट की दूरी पर स्थित यह प्रोजेक्ट यूईआर-टू के सबसे नजदीक है। समारोह में रॉयल ग्रीन काउंटी के चैनल पार्टनर्स को भी सम्मानित किया गया।

छुट्टियों के मिट्टी के खिलौने बनाने का देते थे काम

पहले टीचर गर्मियों की छुट्टियों में बच्चों को गिनती सिखाने के लिए 100 गारा मिट्टी की गोलियां बनाने का काम देते थे। इससे बच्चों को गिनती का अभ्यास हो जाता था। साथ ही कुत्ते, घोड़े और हाथी आदि बनाने के लिए कहा जाता था। गर्मियों में कॉपियों में कलम से सुलेख लिखने का काम दिया जाता था।

बदल गया शिक्षा का स्वरूप, आज के विद्यार्थी नहीं जानते कलम और दवात

पहले ऐसी शिक्षा होती थी, जिसमें बच्चों पर पढाई का दबाव नहीं होता था। पहले स्कूलों में बचपन खिलखिलाता था। गांव में बसने वाले गरीब व अमीर लोगों के सब बच्चे गांव के सरकारी स्कूल में पढ़ते थे। 6 साल से पहले स्कूल में बच्चे का दाखिला नहीं लिया जाता था। छह साल तक बच्चा अपने माता पिता के पास ही फलता फूलता था। जब छह साल का हो जाता तो उसे तब ही विद्यालय में दाखिला मिलता था। ड्रेस के नाम पर बच्चों को आरामदायक कुर्ता पायजामा पहनाया जाता था, ताकि बच्चों को कोई परेशानी न हो।

शिक्षा | राज कुमार नरवाल

पहले बचपन और तनाव का कोई संबंध नहीं था। बच्चे दिनभर हंसते, खेलते-कूदते और खिलखिलाते हुए दिखाई देते थे। उनको न होम वर्क की चिंता होती थी और न कपड़े गंदे होने का भय। क्योंकि आज से तीन दशक पहले तक प्रदेश में शिक्षा का स्वरूप ही अलग होता था। ऐसी शिक्षा होती थी, जिसमें बच्चों पर पढ़ाई का दबाव नहीं होता था। पहले स्कूलों में बचपन खिलखिलाता था। गांव में बसने वाले गरीब व अमीर लोगों के सब बच्चे गांव के सरकारी स्कूल में पढ़ते थे। 6 साल से पहले स्कूल में बच्चे का दाखिला नहीं लिया जाता था। छह साल तक बच्चा अपने माता पिता के पास ही फलता फूलता था। जब छह साल का हो जाता तो उसे तब ही विद्यालय में दाखिला मिलता था। ड्रेस के नाम पर बच्चों को आरामदायक कुर्ता पायजामा पहनाया जाता था, ताकि बच्चों को कोई परेशानी न हो। उस समय जुराब, टाई, बेल्ट और जूते पहनने का कोई बंधन नहीं था। बच्चे बाथरूम चप्पल पहनकर ही स्कूल जाते थे। बच्चों की सुंदर लिखावट बनवाने के लिए तख्ती का प्रयोग किया जाता था। टीचर उस तख्ती पर पेंसिल के साथ टुटकने या कच्चे अक्षर निकालते थे। टीचर द्वारा लिखे हुए उन टूटकनों पर बच्चे कलम से लिखते थे। बच्चों से इस तरह लिखने का अभ्यास करवाया जाता था। काले रंग की एक पुड़िया आती थी। बच्चे एक दवात में थोड़ा पानी डालते थे और उसमें उस पुड़िया को मिला लेते थे। इस तरह काली स्याही तैयार हो जाती थी। उसके बाद बच्चे कलम से दवात में से स्याही लेते थे और तख्ती पर लिखते थे। गणित के सवाल निकालने के लिए बच्चे पत्थर की स्लेट का प्रयोग करते थे। कुछ बच्चे गत्ते की स्लेट भी ले आते थे। लेकिन पत्थर की स्लेट ही गणित के सवाल निकालने के लिए कारगर होती थी। इससे कागज की बचत होती थी। इस स्लेट पर बत्ती के साथ लिखा जाता था। बच्चे बत्ती से स्लेट पर बार बार अभ्यास करते थे। जिससे सवाल व गणित के फार्मूले आसानी से याद किए जाते थे। स्लेट व तख्ती होने की वजह से माता पिता का कापियों का खर्च बच जाता था।

लैपटॉप, कम्प्यूटर व इंटरनेट से पढ़ना हुआ आसान

हरियाणा प्रदेश ने बीते कुछ दशकों में शिक्षा के क्षेत्र में बहुत तरक्की की है। नई शिक्षा पद्धति के जहां कुछ साइड इफेक्ट देखने को मिले हैं। वहीं शिक्षा में बहुत सुधार भी हुआ है। पहले ज्यादातर बच्चों के पास डिक्शनरी नहीं होती थी। किसी शब्द का हिंदी व अंग्रेजी अर्थ जानना होता तो बच्चों को लंबा इंतजार करना पड़ता था। बीच में स्कूल की छुट्टी आ जाती तो स्कूल खुलने पर ही टीचर से उसका अर्थ जान पाते थे। लेकिन अब इंटरनेट का जमाना आ जाने के बाद तुरंत बच्चे अपने मोबाइल फोन पर किसी भी समस्या का समाधान तुरंत ढूंढ लेते हैं। हर तरह के गणित, भौतिकी, रसायन शास्त्र व अन्य विषयों के फार्मूले या जानकारी झट से मोबाइल पर मिल जाती है। अब तो घर बैठकर भी पढाई की जा सकती है। कोरोना महामारी के कारण स्कूल बंद हो जाने पर भी बच्चे अध्यापकों के संपर्क में रहे और ऑन लाइन क्लास चलती रही। लेकिन पहले ऐसा संभव नहीं था। अखबार, इंटरनेट, टेलिविजन और मोबाइल फोन आ जाने के बाद बच्चे बहुत कुछ सीख रहे हैं। मोबाइल फोन की वजह से पूरी दुनिया विद्यार्थियों की मुट्ठी में आ गई है। आज के बच्चे पहले के बच्चों से अधिक बुद्धिमान हैं और अंक भी अधिक हासिल कर रहे हैं। लेकिन मोबाइल फोन व इंटरनेट का अत्यधिक इस्तेमाल बच्चों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है। इंटरनेट से जहां बहुत कुछ सीखा जा रहा है, वहीं बच्चे कुछ गलत चीजें भी देख रहे हैं, जिसका नुकसान भी हो रहा है।

काली स्याही से लिखी तख्ती को पानी से बच्चे खुद धोते थे। जब लिखे गए अक्षर तख्ती पर रह जाते तो उस तख्ती को पोतने के लिए मुल्तानी मिट्टी का प्रयोग किया जाता था। बच्चे खुद ही तख्ती पोतते थे। इससे उनमें खुद का काम खुद करने की आदत पैदा होती थी। अध्यापक बच्चों को गिनती व पहाड़े याद करवाने के लिए ऊंची आवाज में अभ्यास करवाते थे। स्कूल में बच्चे जब ऊंची आवाज में गिनती या पहाड़े याद करते थे तो दूर दूर तक पता चलता था कि स्कूल में जोर शोर से पढ़ाई चल रही है। ज्यादातर बच्चे अगली क्लास के पास हुए बच्चों से सेकेंड हैंड (पुरानी) किताबें खरीद लेते थे। पेंट, शर्ट, टाई, बैल्ट, बैग और भारी भरकम किताबों का खर्च उस समय नहीं होता था। अभिभावकों को मोटी फीस भी नहीं देनी पड़ती थी। उस जमाने में न स्कूल बस का किराया देना होता था और न ही माता पिता को लंच बॉक्स पैक करने का झंझट था। बच्चे आधी छुट्टी में घर आकर ही दोपहर का खाना खा जाते थे और पशुओं को बाहर भीतर बांधने व पशुओं को पानी पिलाने आदि के छोटे मोटे काम भी कर जाते थे। स्कूल के लिए बच्चों को बैग की जगह पर यूरिया व डीएपी खाद के प्लास्टिक के कट्टे का एक झोला सीलकर दे दिया जाता था व एक खाद का कट्टा उसमें और डाल दिया जाता था। ताकि वह क्लास में बैठने के लिए जमीन पर बिछाने के काम आ जाए। यह झोला जल्दी फटता नहीं था और वर्षों तक चलता था। उस समय बच्चों पर होम वर्क का दबाव नहीं होता था। अध्यापक ज्यादातर काम स्कूल में ही याद करवा देते थे। घर पर करने के लिए बच्चों को कम ही काम दिया जाता था। स्कूलों में शिक्षक खेलों पर विशेष ध्यान देते थे। बच्चों को परिश्रम करने की ट्रेनिंग विद्यालय में पढाई के दौरान ही दे दी जाती थी। जब भी विद्यालय में निर्माण चलता तो ईंट ढोने का काम भी बच्चों से करवाया जाता था। पौधों में पानी डालने और सप्ताह में एक बार विद्यालय प्रांगण की सफाई भी बच्चों से ही करवाई जाती थी।

बहुत खुला होता था स्कूलों का वातावरण

पौधों में पानी डालने और सप्ताह में एक बार विद्यालय प्रांगण की सफाई भी बच्चों से ही करवाई जाती थी। ताकि बच्चे आलसी न बनें। बच्चे तनाव मुक्त व परिश्रमी होते थे, तो उनका स्वास्थ्य भी सही रहता था। उस जमाने में बच्चे हृष्टपुष्ट होते थे। स्कूलों का वातावरण भी बहुत खुला व हवादार होता था। स्कूलों में तरह तरह के पेड़ पौधे लगे होते थे। इनमें कई फलदार पेड़ भी होते थे। बच्चे इन पेड़ों से मौसमी फल खाते थे। उन दिनों सरकारी स्कूलों के पास स्थित खेतों में भी बाग होते थे। इन बागों में भी बच्चों को खाने के लिए फल मिलते थे। ईंख के गन्ने और गुड़ बनाने के कोल्हू भी विद्यालयों के आस पास ही मिले जाते थे।

बच्चों पर तनाव और अभिभावकों पर बढ़ गया खर्च

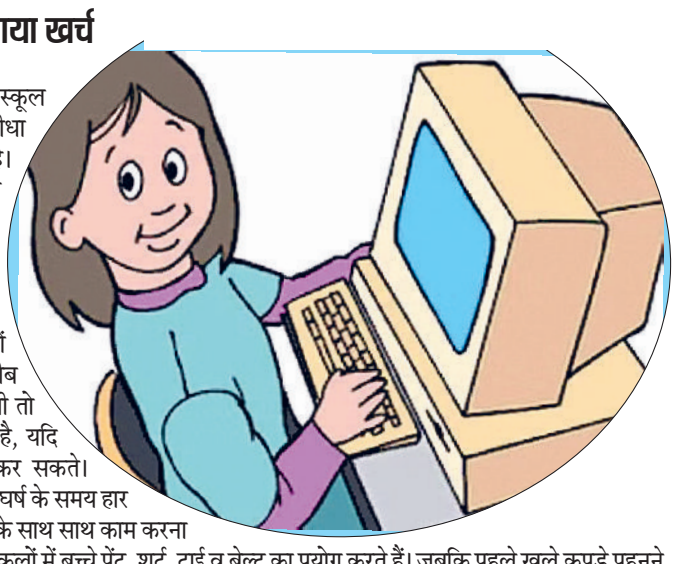

जब से शिक्षा का निजीकरण हुआ है। तब से प्रत्येक गांव में प्राइवेट स्कूल खुल गए हैं। प्राइवेट स्कूलों की आपस में चल रही प्रतिस्पर्धा का सीधा असर बच्चों के मन मस्तिष्क व अभिभावकों की जेब पर पड़ा है। स्कूल प्रबंधक महंगी किताबें खरीदते हैं। ज्यादातर प्राइवेट स्कूल बच्चों के लिए वही किताबें खरीदकर लाते हैं जिन पर पुस्तक विक्रेता या पब्लिसर अधिक छूट देता है। ज्यादा सिलेबस होगा तो पुस्तकें भी अधिक होंगी। पुस्तक अधिक होंगी तो कमाई भी ज्यादा होगी। जिस वजह से बच्चों के बस्ते का बोझ बढ़ता जा रहा है। बचपन भारी बस्तों के बोझ के तले दब गया है। पहले सरकारी स्कूलों में बच्चों को व्यवहारिक ज्ञान सिखाया जाता था। कम खर्च में गरीब आदमी भी अपने बच्चों को पढ़ा सकता था। यदि नौकरी न मिलती तो बच्चे परिश्रम करके कमा खा सकते थे। अब पढाई ऐसी हो गई है, यदि नौकरी न मिले तो बच्चे शारीरिक श्रम वाला काम भी नहीं कर सकते। आरामदायक जीवन शैली की वजह से वर्तमान में युवक युवतियां संघर्ष के समय हार जाते हैं। बहुत तो आत्महत्या तक कर लेते हैं। पहले स्कूलों में पढ़ाई के साथ साथ काम करना और बड़े बूढ़ों की सेवा करना सिखाया जाता था। वर्तमान समय में स्कूलों में बच्चे पेंट, शर्ट, टाई व बेल्ट का प्रयोग करते हैं। जबकि पहले खुले कपड़े पहनने का रिवाज था। वेद, पुराणों और नैतिक शिक्षा की बात सिखाने के लिए संस्कृत पढाई जाती थी। लेकिन अब स्कूलों में संस्कृत अनिवार्य विषय नहीं रहा। बच्चों को कला सिखाने के लिए ड्राइंग पढाई जाती थी। लेकिन अब यह विषय भी जरूरी नहीं रहा।

रागनी | विश्वबंधु शर्मा

यो कैसा खेल दिखाया

यो कैसा खेल दिखाया सै, यो मैं जाणू या वो जाणै।
नर नारी जगत रचाया सै, यो जग जाणै या वो जाणै ।।टेक ।।

खुद नै आकाश बणाया सै, आकाश म्ह स्वयं समाया सै।
फिर पाणी पवन रचाया सै, अग्नी का गेड़ा लाया सै।
धरती आधार बणाया सै, खुद धरण रूप धर आया सै।
यह माया खेल रचाया सै, भगत जाणताया वो जाणै।

पाँचाँ नै गेड़ा लाया सै ,फिर चोला एक बणाया सै।
उस चोले को अप णाया सै , तूँ चोले बीच समाया सै।
पर नजर कदे ना आया सै, यो मोह का कुंडा लाया सै।
यो दल दल लोभ बणाया सै, मैं धसता जाता वो जाणै।

हाँगा पूरा मनै ला लिया, के अहं डोब दे चोडै ना।
तृष्णा पड़गी मेरे गेल्यां, के पागल मनवा दौड़े ना।
मृगतृष्णा मह मनुवा फस ग्या, वो भाज्या जावैबोहडै ना।
वो नेह प्रीत नै तोड़ै ना, मैं ना जाणू वो खुद जाणै।

जीव को कहते अंश तेरा, क्यूँ जीव रूप मैं आया सूँ।
पत्नी पुत्र पोत्र पोत्री, क्यूँ ममता बीच फ़साया सूँ।
अपणे तन तैं न्यारा कर कें, क्यूँ भँवरी बीच धकाया सूँ।
मैं जर तैं नहीं अघाया सूँ, मैं खुद ना जाणू वो जाणै।

चौथापण नासोधी आई, क्यूँ मरता फिरूँतिसाया सूँ।
रै न्यू करले तूँ न्यू करले, लोगाँ नै खूब भकाया सूँ।
इत सतरह बीच फसा कें प्रभु ,जग कोठे मैं भरमाया सूँ।
इत खाली हाथा आया सूँ , यह [redacted]जाणूअर तूँ जाणै।

पूजा और चढ़ावा कोनीं, मैं हि[redacted]कर दर आया सूँ।
प्रभु मेरा इत कुछ बी ना सै, मैं [redacted]दिखाणे आया सूँ।
जग झंझट को छोड़ छाड़ अब, [redacted]शीरामशरण आया सूँ।
बन्धु मैं अश्रु जल ल्याया सूँ, अब गुरु जाणै या वो जाणै।

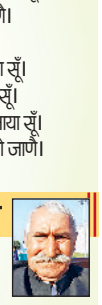

गीत | महेन्द्र सिंह बिलोटिया

जय श्री राम

सिया राम, सिया राम, सिया राम,
नाम लिए मन में धार, हो जाएगा तेरा उद्धार
सच्चे दिल से राम पुकार, राम है सबके सृजनहार
अपना मन लिए थाम, सिया राम, सिया राम

विष्णु जी के ये अवतार आये मृत्युलोक देहधार
भगतों पर करते उपकार दुष्टों का करे संहार
दिन और रात आठों याम सिया राम, सिया राम

मर्यादा के रचनाकार, अपने करो शुद्ध विचार
जीवन में आये निखार, सदबुद्धि और शाकाहार
धर्म सनातन का पैगाम, सिया राम, सिया राम

मंगल जीवन अहिल्या नार, सबरी पर बरसया प्यार
ऋषि हवन के सूत्रधार, दशानन को दिया मार
विभीषण सौंपा राज तमाम, सिया राम, सिया राम ,

पाँच सौ वर्ष का इन्तजार, अब अयोध्या दई सिंगार
भव्य मंदिर किया तैयार, ये गये विरोधी सारे हार
बना अयोध्या सुन्दर धाम सिया राम, सिया राम,

मात पिता के आज्ञाकार, नक्शे क़दम चले संसार
यही छवि है पुजनहार, महेन्द्र सिंह करें मनुहार
दोनों वक्त सुबह शाम सिया राम, सिया राम

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

श्रद्धा | 100 साल से एक ही परिवार कर रहा सिलाई, दो साल की अग्रिम बुकिंग, 2037 में आएगा नंबर

माता बाला सुंदरी को वस्त्र पहनाने के लिए वर्षों का इंतजार

बुकिंग
वस्त्र सिलने वाले दर्जी पर करानी पड़ती है बुकिंग

श्रद्धालु
नवरात्रि के दिनों में लगता है श्रद्धालुओं का तांता

दर्शन
नंबरदार सोराज को माता ने सपने में दिए दर्शन

मंदिर | सुभाष शर्मा

मुलाना का माता बाला सुंदरी मंदिर आस्था का प्रतीक है। मंदिर के बारे में विशेष बात है कि यहां माता रानी के वस्त्रों को श्रद्धालु हर साल बारी के हिसाब से चढ़ाते हैं। मंदिर में माता रानी को वस्त्र पहनाने की इच्छा रखने वाले श्रद्धालुओं को वर्षों का इंतजार करना पड़ता है। हर वर्ष श्रद्धालु माता बाला सुंदरी के लिए वस्त्र पहनाने के लिए अपना नाम अंकित कराते हैं। बारी के अनुसार उन का नंबर आता है। माता को नए वस्त्र पहनाने के लिए 12 साल की अग्रिम बुकिंग चल रही है। 2024 के चैत्र महीने के नवरात्रों में यहां के रहने वाले एक परिवार ने इस सेवा को अदा किया है। एनएच 344 के नजदीक बने माता बाला सुंदरी

मंदिर में नवरात्रों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रहती है। सैंकड़ों की संख्या में आकर श्रद्धालु माता के दर पर नतमस्तक होकर और मन्नत मांगते हैं।

प्रचलित है दंत कथा

एक दंत कथा प्रचलित है कि एक बार गांव में प्लेग की भयानक बीमारी फ़ैल गई थी। लोग इस बीमारी से भयग्रस्त थे। प्लेग की चपेट में आने से गांव में हर रोज मौते हो रही थी। कहते हैं कि गांव के लोग दाह संस्कार कर के लौटते ही थे कि कोई न कोई व्यक्ति तब तक गांव में मृत अवस्था में मिलता था। पूरे गांव में प्लेग की भयकंर बीमारी ने लोगो में भय पैदा कर रखा था। तभी इसी दौरान गांव के साथ लगती मारकंडा नदी में से एक चूड़ियां बेचने वाला गुजर रहा था तो रास्ते में उसे एक कन्या दिखाई दी। वह कन्या दौड़ कर उस चूड़ी बेचने वाले के समीप आई और उस कन्या ने उस से चूड़ी पहनाने की जिद की। चूड़ी बेचने वाले व्यक्ति ने उसकी दोनों बाजुओं में चूड़ी पहना दी तभी उस कन्या ने तीसरी बाजु भी आगे कर दी। इस घटना से चूड़ी बेचने वाला घबरा गया तथा वहां से आकर उस ने यह बात गांव के लोगों को बताई। लोगों ने उसे समझाया कि घबराने की आवश्यकता नहीं है। कन्या के रूप में दिए दर्शन मां भगवती का अवतार है। गांव में मां भगवती का आगमन हो चुका है। अब शीघ्र ही सब कुछ ठीक हो जाएगा। कहते हैं कि उसी रात मां बाला सुंदरी ने गांव के नंबरदार के स्वप्न में आकर एक स्थान दिखाते हुए कहा कि इस स्थान पर 5 ईटें रख कर उस के भवन का निर्माण करवाया जाए। अगली सुबह ऐसा करते ही गांव से प्लेग की भयंकर बीमारी ख़त्म हो गई।

वर्ष 1426 में हुआ था मंदिर का निर्माण

कुछ वर्ष पहले वर्ष माता बाला सुंदरी मंदिर का रिकॉर्ड राजस्थान के भाटों के यहां से प्राप्त हुआ है। भाटों के अनुसार वह मुलाना में क्षत्रीय समाज के यहां साल में एक बार जाते हैं।भाटों ने मंदिर कमेटी को बताया कि कस्बे को 1422 में बसाया गया था। मां बाला सुंदरी मंदिर का निर्माण सन 1426 में कराया गया था। 1425 में गांव के नंबरदार सोराज सिंह के सपने में माता ने दर्शन देकर मंदिर का निर्माण कराने व साथ ही ताल की खुदाई कराने की बात कही गई थी। ऐसी लिखित बातें भाटो के दस्तावेजों में दर्ज है।

'ताऊ नै पाछै हटा कै' शिखर पर पहुंचे रामकेश जीवनपुरिया

◆ शुरू में पिता ने जताया विरोध आज सबसे बड़े फैन ◆ पत्नी ने दिया भरपूर सहयोग करती हैं मोटिवेट ◆ सामाजिक सरोकार से जुड़े लिखे गीतों ने मचाई धूम

कलाकार | शशि कांत चौहान

कहते हैं कि कलम में बहुत ताकत होती है। आप जो भी लिखते हैं उसका समाज का बड़ा हिस्सा प्रभावित होता है। फिर वही समाज आपको सिर आंखों पर बिठा लेता है। ऐसा ही कुछ रामकेश जीवनपुरिया के साथ हुआ। उन्होंने हट जा ताऊ पाछै नै ऐसा लिखा कि इस गीत ने उनको शिखर पर पहुंचा दिया।यह उनका पहला गीत था और इसे आवाज विकास कुमार ने दी थी यह इतना बड़ा हिट हुआ कि आज भी हर कार्यक्रम में डीजे पर खूब बजाता है और लोग इसका खूब आनंद उठाते हैं।

बचपन से था शौक

किसान परिवार में 10 अगस्त 1981 को जन्मे रामकेश के पिता श्री राम निवास दसवीं पास हैं और माता श्रीमती इंद्रा देवी गृहिणी हैं। रामकेश की प्राथमिक शिक्षा गांव के स्कूल में हुई। हाई स्कूल के लिए ने पड़ोस के गांव जाना पड़ा। क्योंकि गीत संगीत में रुचि बचपन से ही थी इसीलिए इन्होंने ग्रेजुएशन संगीत में की। ऐसे हुई शुरुआत रामकेश ने जब एक दिन रणबीर बड़वासनिया को स्टेज पर रागनी करते हुए देखा तो वहीं से उन्हें दिल में अपना गुरु मान लिया और लिखना शुरू किया। हालांकि इस दौरान उन्हें कोई मंच नहीं मिला था इसके बाद रणबीर बड़वासनिया से मुलाकात हुई और इसके बाद उन्होंने विधिवत गुरु धारण किया। इसी दौरान जब उनके दादा गुरु जगन्नाथ समचाना वाले ने उनके गीत देखें तो उन्हें अपने पास बुलाया और तमाम बारीकियां समझाई।

हट जा ताऊ पाछै नै पहला हिट

जब रामकेश का पहला गीत हट जा ताऊ पाछै नै रिलीज हुआ तो रामकेश जीवनपुरिया को नई पहचान मिली और उसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। इसके साथ ही एक के बाद एक बड़े हिट गीत आए, जिनमें सपने में रात में आई, सारा रोला पतली कमर का जैसे गीत शामिल हैं। इसके बाद सतीश सहगल जो म्यूजिक कंपोजर भी हैं उन्होंने रामकेश से गीत गाना शुरू करवाया। 'पहले आली हवा रही ना पहले बाणा' गायक के तौर पर उनका पहला गीत था।

पीएम ने की तारीफ

रामकेश ने पहले ही गीत के बाद गायन में भी धूम मचा दी यह गीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुना और उनको बुलवाया उन्हें सम्मानित भी किया इसके बाद 'बचपन' 'मैं भारत बोल रहा हूं' 'कितना बदल देश' 'कलयुग' और 'संस्कार' भी सोशल मीडिया पर खूब देखे गए।

सम्मान व पुरस्कार

हरियाणवी जन-मानसको उद्वेलित करने वाले रामकेश जीवनपुरिया को अनेक संस्थाएँ सम्मानित कर चुकी हैं। इसी सम्मान श्रृंखला की कड़ी में एक और कड़ी जोड़ते हुए हिन्दी साहित्य प्रेरक संस्था जीन्द भी अ मिसरी जुगलाल स्मृति साहित्य श्री सम्मान से सम्मानित किया।

फिल्में लिखी, अभिनय किया

रामकेश जीवनपुरिया ने अपनी प्रतिभा का भरपूर प्रदर्शन किया। उन्होंने 'छप्पर पाड़ कै' 'किसान बिजनेसमैन' 'प्रेरणा' 'सफर म्हैं हमसफर' और लख्मीचंद हरियाणवी जैसी फिल्में बनाई खास बात यह है कि यह फिल्में उन्होंने खुद ही लिखी और अभिनय भी किया उनके अभिनय को खूब सरहाना भी मिली। रामकेश जीवनपुरिया के गीत और फिल्म लेखन में सामाजिक मुद्दों पर ज्यादा फोकस रहा है। शुरुआत में तो उन्होंने जरूर मनोरंजन को ध्यान में रखते हुए गीत लिखे थे लेकिन बाद में उन्होंने सामाजिक मुद्दों पर फोकस किया। इसके साथ ही उन्होंने देशभक्ति को भी अपने लेखन में खास तवज्जो दी। रामकेश कहते हैं कि आजकल लेखक पब्लिक की पसंद को ध्यान में रखते हुए अपनी कलम चलता है तो निश्चित ही लेखन के स्तर में गिरावट आती है।

परिवार का भरपूर सहयोग

परिवार का भरपूर सहयोग रामकेश बताते हैं कि उनके परिवार में गीत संगीत का कोई माहौल नहीं था इसलिए शुरुआत में उनके पिता ने इस क्षेत्र में जाने का उनका विरोध किया था लेकिन जब उन्होंने उनके गीत और फिल्में देखी तो उन्होंने उसका हौसला बढ़ाया और आज वे उनके सबसे बड़े फैन हैं। रामकेश को उनकी पत्नी से भी पूरा सहयोग मिला और उन्होंने हर कदम पर साथ दिया। अगर कभी उन्हें निराशा हुई तो उनको मोटिवेट किया।

खबर संक्षेप

दिव्यांगता को घर से मतदान का विकल्प

झज्जर। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कैप्टन शक्ति सिंह ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग 18वें लोकसभा आम चुनाव में देश के हर योग्य नागरिक को लोकतंत्र के महापर्व में भागीदार बनाने के लिए कृतसंकल्प है। जिसके लिए विभिन्न प्रकार की स्वीप गतिविधियों के माध्यम से मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक व प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस बार भारत निर्वाचन आयोग की ओर से 40 प्रतिशत दिव्यांगता वाले व्यक्ति व 85 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्ग को घर से मतदान करने की वैकल्पिक सुविधा प्रदान करने का निर्णय लिया है।

एनडीपीएस एक्ट के तहत एक आरोपी काबू

रेवाड़ी। एंटी नारकोटिक्स सेल ने एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। सेल की टीम ने गत 19 मार्च को एक आरोपी नशीले पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया था। आरोपी ने पूछताछ के दौरान बताया था कि उसने नशीला पदार्थ बधराना निवासी कर्मबीर से खरीदा था। एएनसी की टीम ने इस मामले में कर्मबीर को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

चोरी के आरोप में महिला भी गिरफ्तार

धारूहेड़ा। गत 28 मार्च को अलवर बाईपास एक प्रिंटिंग प्रेस में चोरी करने की आरोपी महिला को भी पुलिस ने काबू कर लिया। भिवाड़ी निवासी जयसिंह की शिकायत पर पुलिस ने कमलेश व सुमन के खिलाफ केस दर्ज किया था। कमलेश को पुलिस ने दो दिन पहले काबू कर लिया था। अब दूसरी आरोपी सुमनलता निवासी भिवाड़ी को काबू किया गया है। उसे पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

घर में तोड़फोड़ करने के आरोपी काबू

कुंड। थाना खोल पुलिस ने बोहका में एक घर में घुसकर तोड़फोड़ करने के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गांव के लक्ष्मीनारायण की शिकायत पर 14 अप्रैल को कई आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था।

उदित ने गांव के प्राचीन महर्षि दुर्वासा ऋषि मंदिर में जाकर पूजा-अर्चना की

होनहार युवक उदित का गांव पहुंचने पर जोरदार स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

यूपीएससी परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले दूबलधन निवासी उदित कादियान के सम्मान में रविवार को स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। गांव के प्राइमरी स्कूल के खेल मैदान में आयोजित समारोह के दौरान ग्रामीणों द्वारा उदित कादियान व उसके पिता पवन कादियान का फूलमालाओं से स्वागत किया। उदित ने गांव के प्राचीन महर्षि दुर्वासा ऋषि मंदिर में जाकर पूजा-अर्चना की तथा अपने दादा ओमसाहब व दादी मनोहरी देवी का आशीर्वाद लिया। इस मौके पर बेरी से विधायक डॉक्टर रघुबीर सिंह कादियान, जिला परिषद अध्यक्ष कप्तान बिरधाना, डॉक्टर अजय कुमार कादियान, दिल्ली कैंट से विधायक वीरेंद्र सिंह, विक्रम सिंह कादियान, डीएसपी प्रदीप खत्री, प्रोफेसर कुलताज, बिल्लू पहलवान, राजपाल बाघपुर, प्रशांत कुमार, सरपंच जगपाल सिंह, जितेंद्र सिंह, श्रीओम अहलावत, श्रीभगवान कादियान, तस्वीर अहलावत, प्रदीप अहलावत सहित अन्य भी मौजूद रहे।

झज्जर। समारोह के दौरान उदित का सम्मान करते हुए ग्रामीण एवं परिजन।

बहादुरगढ़। सेक्टर-6 में शिवांश का अभिनंदन करते नरेश भारद्वाज व अन्य।

सेक्टर-6 में हुआ शिवांश का अभिनंदन

बहादुरगढ़। यूपीएससी में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए ऑल इंडिया में 63वीं रैंक हासिल करने वाले शिवांश राठी का सेक्टर-6 में नरेश भारद्वाज द्वारा अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष राजपाल शर्मा, जिला प्रवक्ता भीम सिंह प्रणामी, विनोद यादव, मुकेश कौशिक, संजीव सैनी, सतबीर रोहिल्ला, धर्मवीर भारद्वाज, अजमेर सिंह, सुरेंद्र भारद्वाज, दिनेश भारद्वाज, सतीश छिकारा, विकास, नरेंद्र दलाल, शैलेंद्र देशवाल व जितेंद्र नरवाल आदि ने शिवांश राठी के साथ उसके पिता रवींद्र राठी का अभिनंदन किया। बता दें कि शिवांश ने कक्षा 12वीं में टॉप किया और स्नातक में कॉलेज टॉप किया। दिल्ली के हंसराज कॉलेज से बीए अंग्रेजी ऑनर्स की पढ़ाई की थी।

हनुमान चालीसा का हुआ सामूहिक पाठ

झज्जर। आनंद दास आश्रम में भजनों की प्रस्तुति देते हुए श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

■ प्रभु श्रीराम और हनुमान बाबा के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

आनंद दास महाराज आश्रम में बाबा हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें प्रभु श्रीराम और हनुमान बाबा के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालु अमित ने बताया कि अजय दास महाराज के सानिध्य में रजनीश हरित ने अपने सहयोगियों के साथ गणेश वंदना कर सामूहिक बाबा हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। भजन कीर्तन में रजनीश हरित ने कब आओगे बाला जी महाराज लग्न लगी दर्शन की..उमा शंकर वर्मा ने जग में सुंदर है दो नाम चाहे कृष्ण कहो या राम, बोलो राम राम..भिखारी सारी दुनिया दाता एक राम देने वाले मेरे राम...हनुमान जी के भजन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को मंत्र मुग्ध कर दिया। धर्म प्रचारक रजनीश हरित ने बताया कि श्रीराम भक्त हनुमान बाबा की कृपा से प्रत्येक शनिवार और मंगलवार को मंदिर एवं धार्मिक स्थलों, श्रद्धालुओं के निवास पर बाबा हनुमान चालीसा का पाठ किया जा रहा है। हनुमान बाबा की आरती के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया। इस मौके पर अमित कुमार, रमेश सैनी, ईश्वर सिंघल, रजनीश हरित, उमा शंकर सहित अन्य मौजूद रहे।

अनाज मंडी में लिया खरीद का जायजा

बहादुरगढ़। अनाज मंडी में गेहूं खरीद का जायजा लेते सतीश छिकारा व अन्य। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

भारतीय किसान संघ के प्रदेश अध्यक्ष सतीश छिकारा ने अनाज मंडियों का दौरा कर फसल खरीद का जायजा लिया। मार्केट कमेटी के पूर्व वाइस चेयरमैन पंकज गर्ग ने उन्हें बताया कि बहादुरगढ़ अनाज मंडी में 36 हजार बैग सरसों की खरीद हो चुकी और 25 हजार बैगों का उठान हो चुका है। गेहूं की खरीद 22 हजार बैग हो चुकी है। इसमें से 19 हजार गेहूं का उठान हो चुका है। छिकारा ने कहा कि प्रशासन को जल्द से जल्द उठान में तेजी लानी चाहिए। इस अवसर पर विकेश गर्ग, सुरेश सेठ, राहुल गोयल, रोशन लाल, श्रीकृष्ण, सुशील, बिजेंद्र, इंद्र फौगाट, राम सिंह, चांद हुड्डा व प्रवीण कटारिया आदि मौजूद रहे।

श्रीमदभागवत कथा का शुभारंभ एक मई से

झज्जर। भागवत परिवार नाम संकीर्तन समिति झज्जर द्वारा महंत परमानंद गिरी महाराज के सानिध्य में पंजाबी धर्मशाला के मदन लाल धींगड़ा हाल में एक मई से श्रीमदभागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जाएगा। आयोजन समिति के सदस्य राजेश ने बताया कि एक मई से सात मई तक प्रतिदिन दोपहर दो बजे से सांय छह बजे तक तक कथा वाचक आचार्य उपेंद्र कृष्ण अपने मुखारविंद से श्रीमद भगवान कथा वाचन करेंगे। बुधवार आठ मई को पूर्णाहुति हवन यज्ञ के साथ श्रीमदभगवान कथा का विश्राम होगा। इससे पूर्व एक मई को भव्य कलश शोभायात्रा निकाली जाएगी। भव्य कलश यात्रा बाबा प्रसाद गिरी मंदिर से आरंभ होकर नुक्कड़ वाले हनुमान मंदिर, चौपटा बाजार, मेन बाजार से होते हुए कथा स्थल पंजाबी धर्मशाला में पहुंचेंगी।

आचार्य उपेंद्र कृष्ण, कथा वाचक

शिविर में 189 लोगों को चश्मे प्रदान किए

बहादुरगढ़। कैंप के शुभारंभ अवसर पर ग्रामीणों के साथ रविंद्र छिल्लर बराही।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

जिला पार्षद रविंद्र छिल्लर बराही ने रविवार को गांव जसौर खेड़ी में निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया।

इसमें द्वारका के परफेक्ट आई लेजर सेंटर के चिकित्सकों की टीम ने 282 लोगों की आंखों की जांच की। नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ विक्रम छिल्लर के अनुसार जांच के दौरान 189 लोगों की आंखें कमजोर मिली। जबकि 16 लोगों को आखों के ऑपरेशन के लिए चिह्नित किया गया। भाजपा नेता रविंद्र छिल्लर ने कमजोर दृष्टि वाले 189 लोगों को चश्मे प्रदान किए। साथ ही जल्द 16 लोगों की आंखों का ऑपरेशन करवाने का आश्वासन दिया।

वोटर इन क्यू एप से मतदान केंद्र पर लाइन की मिलेगी अपडेट

झज्जर। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कैप्टन शक्ति सिंह ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा इस बार मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए हरियाणा निर्वाचन आयोग की ओर से वोटर इन क्यू नाम से एक ऐसी एप लांच की है। जिसके माध्यम से मतदाता मतदान केंद्रों पर लगने वाली भीड़ की जानकारी घर बैठे ही प्राप्त कर सकते हैं और वह भीड़ कम होते ही वोट डालने के लिए मतदान केंद्र पर जा सकते हैं। जिला झज्जर में बहादुरगढ़ और झज्जर शहरी क्षेत्रों में यह एप संचालित होगी। जिसके कारण मतदाताओं को वोट डालने के लिए अपनी बारी के लिए अधिक प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ेगी।

पुण्यतिथि पर बाजीराव को किया नमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

गांव गुभाना के लोकहित पुस्तकालय में अपराजित हिंदू सम्राट बाजीराव पेशवा की पुण्यतिथि पर समिति सदस्यों और ग्रामीणों ने पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। समिति अध्यक्ष नरेश कौशिक ने बताया कि बाजीराव पेशवा को इतिहास में सबसे तेज आक्रमण करने वाला योद्धा माना जाता है। इस अवसर पर प्रदीप, अमन, सोनू, भोला व जयभगवान, राकेश, फूल कुमार, मुकेश कुमार आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। बाजीराव के चित्र पर पुष्प अर्पित करते समिति सदस्य व अन्य।

नागर बने कांग्रेस एससी विभाग के चेयरमैन

बहादुरगढ़। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अनुसूचित जाति विभाग द्वारा पूर्व पार्षद दिनेश नागर को बहादुरगढ़ ब्लॉक कांग्रेस के एससी विभाग का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। कांग्रेस एससी विभाग के प्रदेश अध्यक्ष मनोज बागड़ी ने इस संबंध में नियुक्ति पत्र जारी करते हुए उम्मीद जताई कि नागर बहादुरगढ़ में कांग्रेस को मजबूत करने में अहम भूमिका अदा करेंगे। अपनी इस नियुक्ति के लिए कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व के साथ ही पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा, प्रदेशाध्यक्ष उदयभान, सांसद दीपेंद्र हुड्डा, कांग्रेस एससी विभाग के प्रदेश अध्यक्ष मनोज बागड़ी और विधायक राजेंद्र जून का आभार व्यक्त किया है।

दिनेश नागर

मत का प्रयोग कर लोकतंत्र की प्रक्रिया का हिस्सा बनें नागरिक

बेरी। एआरओ एवं एसडीएम रविंद्र मलिक ने कहा है कि लोकतंत्र के इस महापर्व में हम सब की भागीदारी एक नैतिक जिम्मेदारी है।स्वीप का प्राथमिक लक्ष्य सभी पात्र नागरिकों को मतदान के लिए प्रोत्साहित करना है। हमें वोट डालने का अधिकार है, इसका हमें उपयोग करना चाहिए। मतदान से हम सिर्फ सरकार को ही नहीं चुनते, बल्कि अपनी दिशा व दशा तय करते हैं।

570 विद्यार्थियों ने दी छात्रवृत्ति परीक्षा

झज्जर। संस्कारम विश्व विद्यालय में स्कॉलरशिप टेस्ट देते हुए विद्यार्थी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

संस्कारम विश्वविद्यालय में रविवार को द्वितीय छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया गया। परीक्षा में क्षेत्र के लगभग 570 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस दौरान अपने बच्चों के साथ अभिभावकों को विश्वविद्यालय प्रबंधन समिति सदस्यों द्वारा विद्यार्थियों के करियर से संबंधित परामर्श भी दिए। संस्था के प्रमुख डॉक्टर महिपाल ने कहा कि विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षा देना ही उनका कर्त्तव्य है। स्कॉलरशिप रिजल्ट के आधार पर उन्हें स्कॉलरशिप दी जा रही है। अभिभावकों ने शांत वातारण, प्रशिक्षित स्टॉफ, आधुनिक लैब आदि हर प्रकार की सुविधाओं से सुसज्जित संस्थान की प्रशंसा की।

अवैध शराब और सट्टा खाई वाली मामलों में तीन आरोपी पकड़े

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

जिला पुलिस की अलग-अलग टीमों द्वारा अवैध शराब व सट्टा खाई वाली मामले में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को पकड़ा गया है। प्रवक्ता ने बताया कि थाना दुजाना की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए दिलावर निवासी छारा को महाराणा भट्ठा के पास से अवैध शराब की 11 बोतलों सहित पकड़ा गया। वहीं थाना बेरी की टीम ने राजेश निवासी सिवाना को अवैध देसी शराब के 22 अध्धों सहित पकड़ा गया।

इसके अलावा पुलिस चौकी छुछकवास की टीम ने सार्वजनिक स्थान पर सट्टा खाई वाली करते हुए रवीश निवासी छुछकवास को पकड़ा गया।

पकड़े गए आरोपी के कब्जे से 850 रुपये नगद बरामद किए गए है। आरोपियों के खिलाफ संबंधित थानों में नियमानुसार अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं।

विद्यार्थियों को सिखाए आत्मरक्षा के गुर

झज्जर। आत्मरक्षा के तरीकों का अभ्यास करते हुए विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

■ ट्रेनिंग कार्यक्रम में पहली कक्षा से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया

हेरिटेज स्कूल ऑफ लर्निंग मांगावास में एकदिवसीय सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग का आयोजन किया गया। ट्रेनिंग कार्यक्रम में पहली कक्षा से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के लिए मुख्य तौर पर कोच सुदेश मौजूद रहे। विद्यार्थियों को आत्मरक्षा के तरीके सिखाते हुए उनका अभ्यास भी कराया। इस दौरान विद्यालय प्राचार्य सिद्धार्थ वत्स, डीपीई रवि अहलावत व नरेंद्र सहित अन्य भी मौजूद रहे।

बाबा खाटू श्याम के भजनों से गुणगान किया

मेरी झोपड़ी के भाग आज खुल जाएंगे...

■ महिला भजन मंडली की सदस्यों ने पंजाबी भजन प्रस्तुत कर सबको मंत्र मुग्ध कर दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

श्री श्याम सेवा प्रचार मंडल झज्जर द्वारा श्री प्राचीन खाटू श्याम मंदिर शनिवार मासिक संकीर्तन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रोहित कटारिया, सुरेंद्र बुद्धिराजा, धीरज शर्मा, सोनिया गेरा, हेमंत नंदा ने बाबा खाटू श्याम के भजनों से गुणगान किया। रोहित कटारिया ने गणेश वंदना गजानन महाराज पधारों कीर्तन की तैयारी है..गणेश वंदना के साथ संकीर्तन में गायन आरंभ हुआ।

सुरेंद्र बुद्धिराजा, हेमंत नंदा ने मेरी झोपड़ी के भाग आज खुल जाएंगे राम आएंगे.. हारे के सहारे आजा तेरा दास पुकारे आजा.. वर्मा ने कब आएगा मेरा सांवरियां, जाने कब आएगा, मुझे अपना बनाएगा, मेरे आंसु पोंछकर, मुझे गले लगाएगा..सोनिया गेरा ने मेरो मन लाग्यो बरसाने में,जहां विराजे राधा रानी, मन हट्यो दुनियादारी से,जहां मिले खारा पानी..मुझे दुनिया से नहीं कोई काम, मैं तो रटू राधा राधा नाम..जे तू अखियां दे सामने नहीं रहना ते श्यामा साढ़ा दिल मोड़ दे, असा नित दा विछोड़ा नहीं . सहना, के श्यामा सदा दिल मोड़ दे...महिला भजन मंडली की सदस्यों ने पंजाबी भजन प्रस्तुत कर सबको मंत्र मुग्ध कर दिया। इस मौके पर धर्मेंद्र बसवाल, राम अवतार गेरा, चंद्र भान, सन्नी खुराना, अशोक वर्मा, नंद किशोर सिंघला, कृष्ण सक्सेना, रवि गेरा, कृष्ण रोहिला, अजय बंसल, मनोज तलवार सहित काफी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

झज्जर। श्री श्याम खाटू मंदिर में भजनों का आनंद लेते हुए श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

झज्जर। सब्जीमंडी परिसर में प्रसाद वितरित करते हुए दुकानदार।

सब्जीमंडी में आयोजित भंडारे में सैंकड़ों ने लिया प्रसाद

झज्जर। सब्जी मंडी परिसर में रविवार को मंडी आढ़तियों द्वारा सब्जी-पूड़ी का प्रसाद वितरित किया। मंडी के दुकानदार पवन कुमार, जेपी सैनी, भारत सैनी, कुलदीप सिंह, गजेंद्र आदि ने बताया कि मंडी में हर माह के दूसरे व चौथे रविवार भंडारे का आयोजन किया जाता है। सभी दुकानदारों के सहयोग से किया जाने वाला यह आयोजन पिछले करीब एक वर्ष से निरंतर जारी है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के आयोजनों से जहां मन को शांति मिलती है वहीं प्रसाद वितरण कर पुण्य कमाने का सौभाग्य भी प्राप्त होता है। उन्होंने अन्य लोगों से भी इस प्रकार के आयोजन करने का आह्वान किया ताकि गर्मी में भूख व प्यास से बेहाल लोगों को राहत मिल सके।

मारपीट व धमकी देने का आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। सिटी पुलिस ने साधुशाह नगर में मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर 26 अप्रैल को मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का केस दर्ज किया था। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने साधुशाह नगर निवासी सतीश को गिरफ्तार कर लिया। बाद में आरोपी को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

सूचना

हम जीत सिंह पुत्र होशियार सिंह और कांता देवी पत्नी जीत सिंह निवासी शास्त्री नगर, नजफगढ़ रोड, गली नंबर-1, बहादुरगढ़, जिला झज्जर, हरियाणा बयान करते हैं कि हमारा पुत्र हरदीप और पुत्रवधु निकिता हमारे कहने सुनने से बाहर हैं और हम उनसे अपने तमाम संबंध समाप्त करते हुए अपनी चल-अचल संपति से बेदखल करते हैं। भविष्य में उनके साथ किसी तरह का लेन-देन करने व व्यवहार रखने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। हरदीप व उसकी पत्नी निकिता अपने प्रत्येक कार्य के लिए स्वयं जिम्मेवार होंगे। हमारा व हमारे परिवार के सदस्यों का उनसे कोई संबंध व सरोकार नहीं रहा।

खबर संक्षेप

लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया आज से

झज्जर। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कैप्टन शक्ति सिंह ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग की ओर से 18वें लोकसभा आम चुनाव के लिए जारी शेड्यूल अनुसार हरियाणा में दस लोकसभा सीटों के लिए आगामी 25 मई को चुनाव होंगे तथा मंगलवार चार जून 2024 को मतगणना उपरांत चुनाव परिणाम घोषित किए जाएंगे। चुनाव को लेकर नामांकन प्रक्रिया 29 अप्रैल से शुरू हो गई है। प्रत्याशी को अपना नामांकन रिटर्निंग अधिकारी रोहतक को जमा करवाना होगा।

ईंट भट्ठा के श्रमिक के साथ मारपीट

झज्जर। क्षेत्र के गांव बिरोहड़ स्थित एक ईंट भट्ठा पर कार्यरत श्रमिक ने कुछ लोगों पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। पुलिस को दी शिकायत में भिवानी जिले के हालुवास निवासी नसीब ने बताया कि वह बिरोहड़ गांव के ईंट भट्ठे पर मजदूरी करता है। शनिवार की रात करीब ग्यारह बजे पातूवास गांव निवासी युवक अपने माता-पिता व कुछ अन्य लड़कों के साथ उसकी झुग्गी पर पहुंचा जहां उन्होंने उस पर डंडों से हमला बोल दिया। उन्होंने जाते समय भी उसे जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर नियमानुसार कार्रवाई शुरू कर दी है।

सांपला मार्ग पर खड़े ट्राले से छह टायर चोरी

झज्जर। सांपला रोड पर खडे.एक ट्राले से छह टायर चोरी किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस को दी शिकायत में जौंधी निवासी जोगेंद्र ने बताया कि उसने 22 टायरों वाला ट्राला बीती 18 अप्रैल को झज्जर-सांपला मार्ग स्थित एक स्टाक में खड़ा किया था। रविवार को जब वह अपना ट्राला ले जाने पहुंचा तो उसके ट्राले से छह टायर चोरी हो चुके थे। इसके अलावा जहां ट्राला खड़ा था उसके पास स्थित समाधि स्थल से एक इंवर्टर व दो बैट्री भी चोरी हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर नियमानुसार आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

सत्तू का शर्बत जहां गर्मियों में चलने वाली लू से बचाता है, मोटापा दूर करने में भी सहायक

अब खानपान की सूची से बाहर होते जा रहे हैं, बुजुर्गों के पसंदीदा धानी व सत्तू

- अब केवल शौकिया तौर पर घरों में ले जाए जा रहे धानी व सत्तू
- बीते जमाने में धानी व सत्तू बनवाने के लिए लगती थी लोगों की भीड़, जाति विशेष के लोगों ने गांव-गांव जाकर लगाया जाता था भाड़

हरिभूमि न्यूज ⏭झज्जर

आज की युवा पीढ़ी भले ही फास्ट फूड की दीवानी हो लेकिन पुराने खान-पान के आगे ये व्यंजन कहीं भी फिट नहीं बैठते। सेहत और स्वास्थ्य के मामले में वर्तमान में प्रचलित चाऊमिन, डोसा, बर्गर, पिज्जा, फिंगर चिप्स आदि पौराणिक व्यंजनों में शुमार बाजरे की रोटी, चने का हरा साग, कचरी की सब्जी, गुड़-धानी और धानी से बनाए गए सत्तू के सामने फीके नजर आते हैं। पहले के जमाने में गर्मियों में चलने वाली लू से बचाने के लिए सत्तू रामबाण का काम करता था। लोग इसका उपयोग शर्बत बनाकर या शिंकजी की तरह करते थे जो आजकल के ग्लूकोन-डी से बेहतर फायदा शरीर को पहुंचाता था। बदलते परिवेश में अब सत्तू व धानी खान-पान की सूची से बाहर होते जा रहे हैं। पहले जहां गर्मियों के दिनों में जौ से बनी हुई धानी व सत्तू का उपयोग घर-घर में होता था वहीं अब यह केवल बुजुर्गों की डिमांड पर ही शौकिया तौर पर घरों में लाया जाता है। शीतल पेय के रूप में प्रयोग किया जाने वाला सत्तू अब केवल घर के बुजुर्गों द्वारा ही इस्तेमाल किया जाता है। गुड़ और धानी तो चखने तक ही सीमित रह गए हैं।

धानी भुनवाने के लिए एक दिन पहले भिगो कर रखते थे जौ : करीब अस्सी वर्षीय बुजुर्ग दंपत्ति मांगेराम नंदा व बंसती देवी बताते हैं कि साठ बरस पहले का हमें वो नजारा आज तक है याद है जब हम धानी भुनवाने के लिए एक दिन पहले ही जौ को भिगो कर रख देते थे। फिर उसे सुखाया जाता था। उसके बाद जौ की धानी भुनवाने के लिए भाड़ पर जाया करते थे और वहां धानी बनवाने के लिए लगी भीड़ में अपनी बारी आने का इंतजार करते थे। उस समय का आलम यह था कि सुबह-सवेरे जाने पर भी उनका नंबर दोपहर तक आता था। फिर भुनी हुई धानी को घर लाकर उसे गुड़ के साथ खाते थे जो बड़ी ही स्वादिष्ट लगती थी। ऐसा ही कुछ हाल सत्तू का भी था। पहले अधिकांश घरों में बिजली नहीं थी और जेठ के माह में गर्मी भी बहुत लगती थी। ऐसे में गुड़ का घोल तैयार करने के बाद उसमें सत्तू मिलाकर शर्बत बनाया जाता था। परिवार के सभी सदस्य बडे.चाव से सत्तू का शर्बत पीते थे। कुछ अमीर घरों में सत्तू के शर्बत में खांड व बूरा का इस्तेमाल भी किया जाता था। उन्होंने बताया कि वैसे तो सत्तू व धानी सभी की पंसदीदा थी लेकिन उस दौरान गरीब परिवारों में इसे भोजन के विकल्प के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता था।

झज्जर। पुराना बस स्टैंड के पीछे लगी सत्तू व धानी की स्टॉल से धानी की खरीददारी करते हुए महिला।

पुराने बस स्टैंड के पीछे आज भी लगती है सत्तू व धानी की स्टाल

शहर के पुराने बस स्टैंड की पीछे रहने वाले लोगों द्वारा वर्तमान में भी सत्तू व धानी की बानगी अपनी स्टॉलों पर लगाई जाती है। स्टॉल लगाने वाले सुरेश, लीला, दाना, रामकंवार आदि ने बताया कि आस-पास के क्षेत्र में उनकी स्टॉलों पर ही धानी व सत्तू मिलता है। उन्होंने बताया कि पहले के दिनों में उनके अभिभावक दूर दराज के गांवों में भाड़ लगाकर स्पेशल धानी भूनने के लिए जाया करते थे। आजकल सत्तू व धानी की बिक्री इतनी नहीं है लेकिन अमीर लोग शीतल पेय के तौर पर इसे खरीद ले जाते हैं। कुछेक लोगों के अलावा गुरूग्राम, फरीदाबाद व दिल्ली क्षेत्र से भी लोग सत्तू व धानी की खरीददारी करने के लिए यहां आते हैं। उनके यहां धानी व जौ वाला सत्तू जहां एक सौ रुपये प्रति किलोग्राम की दर से बेचा जा रहा है वहीं चने से बना सत्तू 120 रुपये प्रतिकिलो दिया जा रहा है। इसी मौसम में उपयोग होने वाली घाट सत्तर रुपये प्रतिकिलो दी जा रही है।

गर्मी के दुष्प्रभाव व लू की चपेट से बचाता है सत्तू

बेशक सत्तू का चलन आजकल नामात्र है लेकिन यह होता बड़ा फायदेमंद हैं। जानकारों के अनुसार सत्तू का सेवन जहां गर्मी के दुष्प्रभाव व लू की चपेट से बचाता है वहीं इसका शर्बत पीने के बाद लंबे समय तक भूख का एहसास नहीं रहता। प्रोटीन का बेहतर स्रोत होने के कारण यह पेट की गड़बड़ी जैसे एसिडिटी आदि को ठीक करता है तथा लीवर को मजबूत बनाने में सहायक है। सत्तू में कई पौषक तत्व होने के कारण यह शरीर को तुरंत उर्जा देने में भी सहायक है। इसके अलावा गर्मियों के दिनों में नियमित सत्तू पीने से मोटापे से भी छुटकारा मिलता है और पाचन तंत्र भी ठीक रहता है।

बहादुरगढ़। दिनेश कौशिक का स्वागत करते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

जोहड़ की छंटाई के लिए दिए 71 हजार

बहादुरगढ़। सेवामूर्ति दिनेश कौशिक ने रविवार को गांव डाबोदा कलां में दादा मंदिर वाले जोहड़ की छंटाई का शुभारंभ किया। इस पुनीत कार्य के लिए उन्हेंने 71 हजार रुपए का सहयोग किया। सरपंच प्रदीप दलाल, मास्टर जयविरेंदर दलाल, पूर्व प्रधान सतबीर, विरेंद्र, रिजकराम, राकेश दलाल, कुक्कू दलाल, हेमंत, धर्मबीर, चंद्रभान, ओमप्रकाश, राजेंद्र, कपूर वाल्मीकि व खजान सिंह आदि ने दिनेश कौशिक का स्वागत किया और सहयोग के लिए आभार जताया।

बीआरजी के 250 धावकों ने स्वीकारा 100 दिन का रनिंग चैलेंज

- नगर वासियों को 28 मई तक आगामी लोकसभा चुनाव में मतदान करने के लिए करेंगे प्रोत्साहित

हरिभूमि न्यूज ⏭बहादुरगढ़

बीते 5 सालों से फिटनेस को लेकर अलख जगा रहे बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप के 250 से अधिक धावकों ने 100 दिन का रनिंग चैलेंज स्वीकार किया है। ग्रुप के संयोजक दीपक छिल्लर 100 डेज रनिंग चैलेंज के ब्रांड एंबेसडर भी हैं। इसके अलावा आगामी लोकसभा चुनाव में मतदान के महत्व को दर्शाने के लिए बीआरजी के 70 धावकों ने रविवार सुबह साढ़े 4 बजे बीआरजी प्वाइंट से 21 किलोमीटर की दौड़ लगाई। वहीं दूसरी ओर बीआरजी के शलभ खरे ने बंगलोर में टीसीएस 10 किलोमीटर चैलेंज को 43 मिनट में पूरा कर बहादुरगढ़ की उपस्थिति दर्ज करवाई।

दीपक छिल्लर ने बताया कि यह चैलेंज 27 अप्रैल से शुरू होकर 4 अगस्त तक चलेगा। पूरे भारत से करीब 400 रनिंग ग्रुप इस चैलेंज में हिस्सा ले रहे हैं। सभी धावक 100 दिन के चैलेंज में हर दिन कम से कम 2 किलोमीटर की रनिंग करेंगे। एक दिन में 2 किलोमीटर से ज्यादा दौड़ लगाकर उसे रनिंग एप में रिकॉर्ड करना होगा। ऑल इंडिया लिडर बोर्ड पर यह रैंकिंग दिखेगी। चैलेंज के समापन पर टॉप 10 में आने वाले धावकों को पुरस्कृत किया जाएगा। रविवार को 21 किलोमीटर की दौड़ लगाते हुए बीआरजी के 70 धावकों ने आमजन को वोटिंग करने के लिए प्रोत्साहित किया। छिल्लर ने बताया कि अगले 28 दिनों तक बीआरजी के धावक बहादुरगढ़ में अलग-अलग जगह पर दौड़ेंगे और लोगों को वोटिंग के लिए प्रेरित करेंगे। इस मौके पर जगदीश राठी, सुचेत शौकीन, ब्रह्मप्रकाश मान, शिवकुमार, अमनदीप, अनुराग सचान, सुनील कश्यप, लोकेश भारद्वाज, विनीत, यश, अनिल पंजेता, पवन, यशवीर जून, जगजीत सिंह, रितेश, कपिल चावला, सुमन मलिक, धर्मवीर, अभ्य टेटे, सुनील बेनीवाल, जीतू, दीपांशु यादव, नवीन दहिया, नवनीत, तुषार, गुलाब सिंह, तरुण, पुष्कर, सुरेंद्र गुलिया, एनके शर्मा, नवीन राणा, अमित कादियान, राकेश, किरण नरुला, रतनेश, राजकपुर मोर, नरेंद्र जांगड़ा, रविंद्र जांगड़ा, रविंद्र दहिया, जयदेव राठी, शमशेर, बिजय व वरुण आदि ने जन जन को मतदान के लिए प्रोत्साहित करने की शपथ ली।

बहादुरगढ़। मतदान के लिए प्रोत्साहित करते बीआरजी के धावक। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। समागम के दौरान कीर्तन करती महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

श्रद्धा से मनाया 18वां सालाना गुरुमत समागम

बहादुरगढ़। गुरुद्वारा सचखंड साहिब के सत्संग भवन में रविववार को बैसाखी एवं गुरुनानक चैरिटेबल डिस्पेंसरी का 18वां सालाना गुरुमत समागम का आयोजन किया गया। शुक्रवार को श्री अखंड पाठ साहिब का आरंभ हुआ था। रविवार को दीवान सजाया गया। सबसे पहले श्री अखंड पाठ साहिब का भोग लगा। धार्मिक दीवान में रागी जत्थे ने शबद कीर्तन से संगत को निहाल किया। अरदास समाप्ति के साथ गुरु का लंगर शुरू हो गया। गुरुद्वारा के ग्रंथी भाई जोगिंद्र सिंह ने गुरु नानक देवजी की जीवनी पर प्रकाश डाला। गुरु नानक देव की शिक्षाओं से संगतों को अवगत कराते हुए सभ्यता और संस्कृति के विकास और परिष्कार में विश्व के समस्त सद्गुरुओं के योगदान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गुरु की कृपा हो तो शिष्य हर सफलता को सहजता से प्राप्त कर सकता है। ग्रंथी भाई अवतार सिंह ने कहा कि हमें गुरुनानक देव के कथनानुसार उस परमगुरु, परमात्मा पर अनन्य विश्वास रखना चाहिए तथा स्वयं को आत्मविश्वास से परिपूर्ण रखना चाहिए, तभी कल्याण संभव है। संगतों ने गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष माथा टेका। समागम में गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान डॉ. सोहन लाल अरोड़ा सहित भारी संख्या में लोगों ने शामिल होकर माथा टेका। अंत में गुरु साहिब का लंगर अटूट वितरित किया गया।

डॉ. सूरत सिंह के पद्चिह्नों पर चलेगी शहीद यादगार कमेटी

बहादुरगढ़। शहीद यादगार कमेटी बहादुरगढ़ की आम बैठक शहीद ब्रिगेडियर होशियार सिंह स्टेडियम में हुई। कमेटी के संस्थापक डॉ सूरत सिंह के निधन के बाद यह कमेटी की पहली बैठक थी। जिसमें उनके अधूरे सपने को पूरा करने की शपथ लेते हुए भविष्य में समय-समय पर कार्यक्रम आयोजित करने का फैसला लिया गया। कमेटी उपाध्यक्ष नरेंद्र शर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक में सबसे पहले शहीद यादगार कमेटी के संस्थापक स्व. डॉ. सूरत सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। स्व. डॉ. सूरत सिंह को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। विदित है कि 1997 से ही कमेटी डॉ. सूरत सिंह की अगुवाई में शहीदों को श्रद्धांजलि देने के साथ ही उनके विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचा रही है। बैठक में राकेश वत्स, रुपेश, मनिंदर छिल्लर, यश, अमित, सुशांत मेहरा, गौरव राठी व आरव आदि ने विमर्श किया। बैठक के दौरान आने वाले दिनों में रचनात्मक कार्य करते हुए शहीदों के दिखाए रास्ते पर चलते हुए एक आदर्श समाज स्थापित करने का संकल्प लिया गया। शहीद भगत सिंह की जयंती पर सुखदेव, भगत सिंह व राजगुरुकी प्रतिमाएं लगाने संबंधी प्रस्ताव पारित किया गया। इसके लिए स्थान चिह्नित किया जाएगा। कमेटी में नए सदस्यों को जोड़ा जाएगा। नौजवानों से कमेटी में शामिल होकर शहीदों के सपने को साकार करने में सहयोग की अपील की गई। सार्वजनिक स्थानों पर शहीदों से संबंधित नुक्कड़ नाटक, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, पेंटिंग प्रतियोगिता, डिबेट, मोनो एक्टिंग और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम करने की रूपरेखा तैयार की गई। सामाजिक कार्यों में राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल के एनएसएस स्वयंसेवकों का सहयोग लेने पर भी सहमति बनी।

बहादुरगढ़। बैठक के उपरांत डॉ. सूरत सिंह को श्रद्धांजलि देते कमेटी सदस्य।

बहादुरगढ़। पहलवानों का हाथ मिलवाते भाजपा नेता रविंद्र छिल्लर बराही।

दंगल में छिल्लर ने दिया 51 हजार रुपये का सहयोग

हरिभूमि न्यूज ⏭बहादुरगढ़

गांव सोलधा में दादा मालदा व्यामशाला के प्रांगण में आयोजित पहले विशाल कुश्ती दंगल (मैट) का शुभारंभ करते हुए जिला पार्षद रविंद्र छिल्लर बराही ने दंगल के पहले इनाम की 51 हजार रुपए की धनराशि आयोजकों को भेंट की। सरपंच प्रतिनिधि प्रदीप काजला ने छिल्लर को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

दंगल में पहलवानों का हाथ मिलवाकर मुकाबले का शुभारंभ करते हुए रविंद्र छिल्लर बराही ने कहा कि क्षेत्र के पहलवानों का आज कुश्ती के क्षेत्र में पूरे विश्व में डंका बज रहा है। उनके अनुसार ऐसे दंगल का आयोजन करने से ग्रामीण क्षेत्र की छुपी हुई खेल प्रतिभाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलता है। उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित करें।

बहादुरगढ़। छोटूराम नगर में सड़क निर्माण का जायजा लेती चेयरपर्सन सरोज राठी।

चेयरपर्सन ने किया निर्माण कार्य का निरीक्षण

बहादुरगढ़। नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज राठी ने छोटूराम नगर में 67 लाख रुपए की धनराशि से बन रही सड़क के निर्माण कार्य का औचक निरीक्षण किया। ठेकेदार को स्पष्ट कहा कि सड़क के निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या कोताही सहन नहीं की जाएगी। निर्माण कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ किया जाए। अधिकारियों से भी कहा कि वे भी विकास कार्यों पर अपनी नजर रखें। जनता द्वारा दिए गए टैक्स का एक-एक पैसा सही तरीके से खर्च होना चाहिए। उन्होंने कहा कि शहर के विकास से संबंधित सुझाव भी आमजन से मांगे। इस दौरान वाइस चेयरमैन पालेराम शर्मा, रमेश राठी, मनोज सिन्हा, संजय सैनी, जोंटी, जेई संदीप व जेई नीरज मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। गीता रोहिल्ला के घर का उद्घाटन करती ब्रह्माकुमारियां। फोटो : हरिभूमि

घर के उद्घाटन पर लहराया शिव ध्वज

बहादुरगढ़। ब्रह्माकुमारी संस्था से 15 सालों से जुड़ी गीता रोहिल्ला के सेक्टर-9 में बने मकान का रविवार को धूमधाम से उद्घाटन किया गया। सभी ब्रह्माकुमारी बहनों ने मिलकर परमपिता परमात्मा शिव का ध्वज लहराया। बहादुरगढ़ प्रभारी बीके अंजलि दीदी ने कहा कि पवित्र वाइब्रेशन प्रेम भाव से घर को स्वर्ग सा सुंदर बनाते हैं। बीके विनीता दीदी ने कहा कि मकान को घर और घर को मंदिर परिवार के सदस्य ही बनाते हैं। बीके रेणु दीदी ने भी उनके परिवार को आदर्श परिवार बताया। बीके अमृता दीदी ने मेडिटेशन कराया और घर में शुभ संकल्पों के शक्तिशाली प्रकंपन फलाए। कार्यक्रमों ने बच्चों में बच्चों ने गीत नृत्य के माध्यम से सभी को बधाई दी।

बहादुरगढ़। दंगल में पहलवानों का हाथ मिलवाते विधायक राजेंद्र सिंह जून।

विधायक ने बढ़ाया पहलवानों का हौसला

बहादुरगढ़। विधायक राजेंद्र सिंह जून ने गांव सोलधा में हुए विशाल इनामी दंगल में पहलवानों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के पहलवान अपने दम पर कुश्ती में क्षेत्र का नाम रोशन कर रहे है। जून ने 11 हजार रुपए की धनराशि दंगल आयोजन कमेटी को सहयोग स्वरूप भेंट की। पहलवानों को प्रोत्साहित करते हुए विधायक ने कहा कि खेलों में युवाओं का अच्छा भविष्य है। हालांकि भाजपा राज में खिलाड़ी मान सम्मान व अपना हक पाने के लिए धरना प्रदर्शन करने तथा अदालत की शरण लेने को मजबूर हैं। आयोजकों ने विधायक राजेंद्र जून को स्मृति चिह्न के रूप में दादा मालदे की तस्वीर भेंट की। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता वेद प्रधान, सीटू बराही, प्रदीप काजला व छोटू आदि मौजूद रहे।

तापमान में बढ़ोतरी के साथ नींबू के दामों में भी भारी उछाल, आम व प्याज की कीमतें भी बढ़ी

- नींबू व अदरक बिक रही 180 रुपये से 200 रुपये प्रति किलोग्राम

हरिभूमि न्यूज ⏭झज्जर

तापमान में निरंतर वृद्धि के कारण इन दिनों नींबू के दामों में भी भारी उछाल आया है। इसके अलावा मौसमी फल आम व तरबूज की कीमतें भी बढ़ी हुई है। जिसके कारण लोगों की जेब पर अतिरिक्त भार पड़ा है।

वहीं अन्य सब्जियां आमजन के बजट में ही है। नवरात्रों के बाद तक सत्तर रुपये किलोग्राम तक पहुंचा टमाटर आजकल दस से बीस रुपये किलोग्राम तक बिक रहा है।

इसी प्रकार प्याज और आलू जहां 25 से 30 रुपये किलोग्राम बिक रहे हैं वहीं गर्मी का तोहफा माने जाने वाली ककड़ी की कीमत भी मात्र बीस से तीस रुपये प्रतिकिलोग्राम है। सब्जी की फड़ लगाने वाले सब्जी विक्रेता डैनी व कर्ण ने बताया कि इसके अलावा एक सौ रुपये प्रतिकिलो ग्राम तक पहुंची हरी मिर्च भी मात्र 50 से 60 रुपये किलोग्राम व धनियां तथा पौदीने की जूटी मात्र दस रुपये में बेची जा रही है।

झज्जर। सब्जीमंडी में सब्जी बेचते हुए दुकानदार। फोटो : हरिभूमि

नींबू व अदरक हुए महंगे : सब्जी विक्रेताओं ने बताया कि नींबू व अदरक के दाम 180 रुपये से लेकर 200 रुपये प्रति किलोग्राम हैं। अदरक जहां सर्दियों का आइटम है और अब स्टोर की अदरक आ रही है इसलिए महंगे दामों में बिक रही है जबकि नींबू बाहर से आ रहा है। नींबू की लोकल फसल मंडी में आने पर दिनों में कीमत में कमी आएगी।

सब्जियों के दाम

सब्जी	रुपये प्रति किलोग्राम
टमाटर	20
प्याज	25-30
तौरी	80
भिंडी	70
गाजर	50-60
मटर	80-100
नींबू व अदरक	180 से 200
टिंडा	70
पेठा	20
खीरा	25-30
आलू	25-30
ककड़ी	20-30
अरबी	80
मिर्च	60
पौदीना	10 रुपये जूटी
धनिया	10 रुपये जूटी
तरबूज	20-25
खरबूजा	50 से 60
आम	80 से 100
अंगूर	80 से 100

बहादुरगढ़। पहलवानों का हाथ मिलवाकर कुश्ती मुकाबला शुरू करवाते शेखर यादव।

शेखर ने किया पहलवानों को प्रोत्साहित

बहादुरगढ़। गांव सोलधा की दादा मालदे व्यामशाला में आयोजित दंगल में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचकर भाजयुमो जिलाध्यक्ष शेखर यादव ने पहलवानों को प्रोत्साहित किया। सरपंच प्रतिनिधि प्रदीप काजला समेत अन्य ग्रामवासियों द्वारा उनका स्वागत किया। पहलवानों के हाथ मिलवाकर कुश्ती मुकाबले का शुभारंभ करवाते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार खेल व खिलाड़ियों को बढ़ावा दे रही है। इसके चलते क्षेत्र के खिलाड़ी कुश्ती सहित सभी प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन कर रहे हैं। भाजपा सरकार द्वारा पदक विजेता खिलाड़ियों को पदक अनुसार सरकारी नौकरी, नगद इनाम तथा मान सम्मान दिया जा रहा है।